



४/११/८८

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 3, 1988/भाद्र 12, 1910
No. 34] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 3, 1988/BHADRA 12, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांगीधिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders Issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, २३ अगस्त, 1988

का. नि. आ. 206.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गमिनीों के प्रयोग करने हुए और रक्षा मंत्रालय, परिवार नियोजन संगठन (चिकित्सा अधिकारी) (परिवार नियोजन) मर्ती नियम 1972 को उन बत्तों के नियार विवरण करने हुए जिहें ऐसे अधिकारी से पहले जिया गया है या करने से लोप किया गया है, रक्षा मंत्रालय, परिवार कल्याण संगठन में चिकित्सा अधिकारी (परिवार कल्याण) के पद पर मर्ती की पद्धति द्वारा दिनियमन करने के लिए नियमानुसारित नियम बनाने हैं अर्थात्:—

1. मक्किल नाम और प्रारंभ :— (1) इन नियमों का मक्किल नाम रक्षा मंत्रालय, परिवार कल्याण संगठन, चिकित्सा अधिकारी (परिवार कल्याण) मर्ती नियम 1988 है।

(2) ये राजनीत में प्रकाशन की तरीका को प्रवृत्त होये।

2. पद-मंजुरा, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संज्ञा, उसका वर्गीकरण और उसका वेतन वह गोंग जो इन नियमों से उत्पादक अनुमति के संतं २ से संतं ४ में विविधिष्ठ है।

3. मर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अहंतागं आदि :—उक्त पद पर मर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अहंतागं और उससे संबंधित अन्य बत्ते वे होंगी जो उक्त अनुमति के संतं ५ से संतं १४ में विविधिष्ठ हैं।

4. निरहंता :—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे अधिकार से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी अधिकार से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पत्र नहीं हाला :

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे अधिकारी और विवाह के अन्य पत्रकार को लग स्वीकृति विद्युत दी जाए तो वह किसी अधिकार को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

5. शिक्षित परने की शक्ति ॥—जहा केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना अवश्यक या योग्यीचीन है, वहाँ वह, उपके लिए जा कारण है उन्हें लेकर दूर करके पर्याय संघ लो. सेवा अधिकार से परमं धरणे, इन नियमों के विषमी उपचार को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश हर शिक्षित कर सकती।

6. व्यवस्था ॥—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयुसीमा में छठ और अन्य रियायतों पर प्रमाण नहीं होता. जिसका केन्द्रीय सरकार हारा इस संवेदन में राजनीतिमय पर नियम ले गए अदेशों के अनुनार अनुचूचित अधिकारों, अनुसूचित जनजातियों, सून्तुर्य सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपर्युक्त व्यवस्था अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमात्र	चयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयुसीमा	सेवा में जाहे गए वर्गों का पायदा केन्द्रीय नियंत्रण सेवा (वेश्यत), नियम 1972 के नियम 30 के अन्तीम अनुदेश है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
चिकित्सा अधिकारी	4*	स धारण केन्द्रीय (1988) के वर्षातरके राजपनित अधार पर अनुग्रहीय परिकर्त्ता किए जा रक्त है।	3000-100- सेवा समृद्धि "क" 3500-125- राजपनित 4500 रपा, अनुग्रहीय प्रेक्षितमवंदी भला, नियमों के अनुकूल है।	चयन पद	40 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिक्षित की जा सकती है।	नहीं
					40 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिक्षित की जा सकती है। दिप्पण ॥—आयुसीमा भवधारित करने के लिए नियन्त्रित तारीख, सारसमें अध्यार्थियों से (उनमें भिन्न जो अंदमान और निकोबार द्वीप तथा अंधद्वीप में हैं) अवैदेन प्राप्त करने के लिए नियंत्रण की गई अनिम नारील्य होती है।	

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रोत्तेक्षा की अवधि यदि कोई हो अहंताएं दिहिन आय और शैक्षिक अहंताएं प्रोत्तानि व्यक्तियों की दण में लगू होती या नहीं

प्रथमपद	लागू नहीं होता	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए
8	9	10
(1) भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की पहली या दूसरी अनुसूची या तीसरी अनुसूची के माग द्वा (ल.हस्तमिएट अहंताओं से भिन्न) में वीं गई मात्रताप्रधन चिकित्सा प्रहृता, तीसरी अनुसूची के माग द्वा में सम्बिलित शैक्षिक अहंताओं के धारणों को उक्त विविधियों की धारा 13 की उपवारा (3) में अनुयुक्त शर्तों को भी दुग करना चाहिए।		एक वर्ष
(2) किसी मन्त्रालयप्रधान विविधियालय से किसी भी विशेष- ना में स्नानशोत्र इहता या समसूल्य।		
(3) विशेषज्ञता में स्नानकोत्तर इती धारियों के लिए तीन दर्ज का अनुबन्ध और स्नानकोत्तर इतीमों धारियों के लिए 6 वर्ष या अनुबन्ध।		
टिप्पण 1 ॥—अहंताएं अन्यथा मुर्मिहन अध्यार्थियों की दण में संबंधीक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिक्षित की जा सकती है।		

ठिक्कण 2 :—अनुभव संबंधी घटना (घटनाएँ) सभ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अध्यर्थियों की दशा में तब शिक्षियत की जा सकती है (है) जब अवन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह गय है कि उनके लिए आवश्यक रिक्तियों की भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अध्यर्थियों के पर्याप्त सलाहा, में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

वांछनीय :

निरोधक और सामाजिक प्रयुक्तिज्ञान में अनुभव

भर्ती का पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्तिवारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

11

प्रोत्तिवारा या जिमके नहीं सकने पर सीधी भर्ती द्वारा

प्रोत्तिवारा/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोत्तिवारा/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

12

प्रोत्तिवारा :

भाहिना चिकित्सा अधिकारी (परिवार कल्याण) जिन्होंने उच्च श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

यदि विसारीय प्रोत्तिवारा/प्रतिनियुक्ति होता है तो उसकी सन्तता

भर्ती करने में किन परिस्थितियाँ में सभ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

समूह "क" विसारीय प्रोत्तिवारा/प्रतिनियुक्ति

(प्रोत्तिवारा के संबंध में विवार करने के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

1. अध्यक्ष/मदस्य, सभ लोक सेवा आयोग

—अध्यक्ष

2. संयुक्त मन्त्रिव (स्था.)

—सदस्य

3. उपमहानिदेशक, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा

—सदस्य

समूह "क" विसारीय प्रोत्तिवारा/प्रतिनियुक्ति

(पुष्टि के संबंध में विवार करने के लिए जिसमें निम्नलिखित होंगे) —

1. संयुक्त सचिव (स्था.)

—अध्यक्ष

2. उपमहानिदेशक, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा

—सदस्य

ठिक्कण :—पुष्टि से संबंधित विसारीय प्रोत्तिवारा/प्रतिनियुक्ति की कार्यवाहियाँ, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदन तथा भेजी जाएगी किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विसारीय प्रोत्तिवारा/प्रतिनियुक्ति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी मदस्य की अध्यक्षता में फिर से होती।

14

सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना। अ.वर.6।

[फा० सं० 19001/डी०जी०ए०एफ०एम०एस०/डी०जी०३ डी०]
प्रा० अ.र० कौशल, अवर सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 22nd August, 1988

S.R.O. 206.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Defence, Family Planning Organisation (Medical Officers) (Family Planning) Recruitment Rule, 1972, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Medical Officer (Family Welfare) in

the Family Welfare Organisation in the Ministry of Defence, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Defence, Family Welfare Organisation Medical Officer (Family Welfare) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4		6
Medical Officer	4* (1988) *Subject to variation dependent on work-load	General Central Service Group 'A' Gazetted non-ministerial.	Rs. 3000-100-3500 125-4500-plus NPA as admissible under the rules.	Selection	Not exceeding 40 years. (Relaxable for Govt. servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)

Whether the benefits of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees
7	8	9

No

Essential :

- (i) A recognised medical qualification included in the First or Second Schedule or Part II of Third Schedule (other than Licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956). Holders of educational qualifications included in Part II of the Third Schedule should also fulfil the conditions stipulated in sub-section (3) of section 13 of the said Act.
- (ii) Post-graduate qualification in any speciality from a recognised University or equivalent.
- (iii) 3/5 years experience in the speciality for Post-Graduate degree/diploma holders respectively.

N.A.

Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the UPSC in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2 : The qualification (s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the UPSC in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the scheduled Tribes if at any stage of selection, the UPSC is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

DESIRABLE :

Experience in preventive and social medicine.

Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promo- tion or by deputa- tion/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt by promotion/ deputation/transfer grades from which promotion/deputation/ transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be con- sulted in making rectt.
10	11	12	13	14
One year for direct recruit	By promotion failing which by direct recruitment *	PROMOTION . Lady Medical Officer (FW) with 5 years regular service in the grade	Group 'A' DPC (for considering promotion) consisting of :— 1. Chairman/Member UPSC 2. Joint Secretary (E) —Chairman 3. Deputy Director General, Armed Forces Medical Services, —Member Group 'A' DPC (for considering con- firmation) consisting of— 1. Joint Secretary (E) —Chairman 2. Deputy Director General Armed Forces Medical Service —Member Note . The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Union Public Service Commis- sion, a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a member of the UPSC shall be held	Consultation with Union Public Service Commission is necessary while making direct rectt.

[F. No. 19001|DGA/AFMS|DG 3D]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd August, 1988

S.R.O. 207.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Defence S.R.O. 56 dated the 25th February, 1988 published in the Gazette of India, Part II, Section 4 dated the 19th March 1988 for “Rs 1400-40-1800 EB-2300” read “1400-40-1800-FB-2300”.

[File No. Air Hq.23049,409|PC 3A]
R R KOSHAL, Under Secy.

